अध्याय -3

अध्याय 3

क्रियाविधि

परिचय :

कार्यप्रणाली शोधकर्ता को व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से आगे बढ़ने में मदद करती है । यह डाटा के लिए उपयुक्त टूल चुनने या बनाने में मदद करती है । इस अध्ययन में अनुसरण की जाने वाली कार्य प्रणाली का विवरण शामिल है । इस खंड में अध्ययन D.El.Ed. विद्यार्थियों की अधिगम अक्षमता के बारे में जागरूकता के अध्ययन के लिए अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली अभिन्यास का विवरण शामिल है ।

इस अध्ययन में अपनाई गई कार्यप्रणाली जैसे अनुसंधान डिजाइन, अनुसंधान उपकरणों का निर्माण, नमूनाकरण प्रक्रियाएं डेटा संग्रह के तरीके और उपयोग की जाने वाली सांख्यिकीय तकनीकों की चर्चा यहां की गई है ।

3.1: शोध प्रारूप :

शोध की प्रकृति : वर्णनात्मक अनुसंधान

शोध का प्रकार : गुणात्मक शोध

शोध विधियां : प्रश्नावली

3.2: शोध डिजाइन:

सर्वेक्षण विधि एक महत्वपूर्ण विधि है जो इस सदी के मध्य में बहुत विकसित हुई है और कई उद्देश्यों के लिए मूल्यवान हैं:

शैक्षिक अनुसंधान में सर्वेक्षण का उद्देश्य कई तथ्यों को प्रकाश में लाना जो लघु शोध की आवश्यकताओं को इंगित करते हैं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार । इस में माप, वर्गीकरण, व्याख्या, मूल्यांकन और सामान्यकरण सभी की ओर निर्देशित किया जाता है । सही समझ और समस्या का समाधान जैसे कि वर्तमान अध्ययन, D.El.Ed. विद्यार्थियों की जागरूकता के बारे में जानकारी का अध्ययन । अन्वेषक द्वारा सर्वेक्षण पद्धति को गया, जो कि आवश्यक और प्रसांगिक डाटा एकत्रित करने के लिए उपयुक्त पाया गया ।

3.3: अनुसंधान उपकरणों का निर्माण :

अन्वेषक ने विभिन्न संबंधित साहित्य और शोध अध्ययन की समीक्षा की जांच के माध्यम से 20 आइटम को चयनित समस्या में शामिल किया । अन्वेषक ने D.El.Ed. विद्यार्थियों की सीखने की अक्षमता के बारे में जागरूकता के स्तर का आकलन करने के लिए प्रश्नावली का निर्माण किया, प्रश्नावली निम्नलिखित पैमानों पर शामिल है :-

1) अधिगम अक्षमता की अवधारणा

2) अधिगम अक्षमता का कारण

3) अधिगम अक्षमता की पहचान और आकलन

4) अधिगम अक्षमता के प्रकार

3.4: उपकरण का विवरण :

D.El.Ed. विद्यार्थियों की अधिगम अक्षमता के बारे में जागरूकता का पता लगाने के लिए अन्वेषक ने प्रश्नावली का निर्माण किया ।अन्वेषक में प्रश्नावली गूगल फॉर्म द्वारा तैयार की । सीखने की अक्षमता के बारे में जानकारी प्राप्त करने से संबंधित 20 प्रश्नों का चयन किया गया यह

20 प्रश्न अधिगम अक्षमता के बारे में विभिन्न स्त्रोतों से गहन अध्ययन के बाद तैयार किए गए ।

3.5 : आकलन करने के लिए प्रश्नावली :

लघु शोध के उद्देश्यों से संबंधित 20 प्रश्नों का निर्माण किया गया जिसमें प्रश्न संख्या, 1, 2, 3, 5, 7 और 9 अधिगम अक्षमता की अवधारणा के आकलन के लिए थे । प्रश्न संख्या, 11, 13, 15, 16 और 20 अधिगम अक्षमता के कारण और पहचान के आकलन के लिए थे । वैष्णो संख्या 4 6, 8, 10, 12, 14, 18 और 19 अक्षमता के प्रकार की जानकारी

3.6 : अध्ययन का नमूना

लघु शोध के क्षेत्र के लिए भोपाल शहर का चयन किया गया । भोपाल शहर के DIET कॉलेज के 82 विद्यार्थियों का डाटा एकत्रित किया गया । अतः DIET कॉलेज में D.El.Ed. के 120 विद्यार्थी हैं, परंतु कोविड-19 के कारण केवल 82 विद्यार्थियों का ही डाटा प्राप्त किया जा सका ।

3.7: अध्ययन में प्रयुक्त चर :

अनुसंधान चर ऐसे कारक हैं जिन्हें जांच के दौरान मापा जा सकता है, हेरफेर किया जा सकता है और बदलने की संभावना है. एक चर वह चीज है जो विभिन्न संख्यात्मक या श्रेणीबद्ध मूल्यों को ले सकती है। चर एक अनुसंधान परियोजना के भीतर महत्वपूर्ण महत्व की अवधारणा का प्रतिनिधित्व करते हैं, ऐसी अवधारणाएं हैं जो अनुसंधान की परिकल्पना का निर्माण करती हैं. कई प्रकार के चर हैं, लेकिन अधिकांशता: शोध विधियों के मुख्य चर स्वतंत्र चर और आश्रित चर हैं।.

3.7.1: स्वतंत्र चर :

D.El.Ed.विद्यार्थी की जागरूकता के रूप में अध्ययन के लिए स्वतंत्र चर को चुना गया है

3.8 : आंकड़ा संग्रहण :

अन्वेषक द्वारा अपने शोध संबंधित संस्थान DIET भोपाल के प्रधानाचार्य को अपने शोध प्रबंधन के उद्देश्य और कार्य के बारे में अवगत करा कर अपने कार्य के लिए अनुमति प्राप्त की प्रधानाचार्य निर्देशानुसार संस्थान के प्राध्यापक द्वारा अन्वेषक द्वारा गूगल फॉर्म पर तैयार प्रश्नावली की लिंक D.El.Ed. विद्यार्थियों के ग्रुप पर शेयर कर दी गई । इस लिंक के साथ विद्यार्थियों को निर्देश भी दिए गए ।विद्यार्थियों द्वारा अपने ईमेल आईडी से इस प्रश्नावली को निश्चित समय में पूर्ण किया गया । अतः कोविड-19 महामारी के कारण लॉक डाउन हो जाने से सभी शैक्षिक संस्थान बंद करने पड़े इसलिए तकनीकी कठिनाइयों के कारण कई विद्यार्थियों से डाटा एकत्रित नहीं हो सका । फिर भी अधिक संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी रही ।

3.9: स्कोरिंग प्रक्रिया :

अधिगम अक्षमता के प्रति जागरूकता को मापने के लिए प्रश्नावली में दो और चार विकल्प वाले प्रश्नों को रखा गया । जिसमें अधिगम अक्षमता से संबंधित प्रश्नों के लिए सत्य और असत्य के साथ संबंधित प्रश्नों के चार विकल्प दिए गए थे ।

3.10 : अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीय तकनीक :

अन्वेषक ने उद्देश्यों का परीक्षण करने और डेटा संग्रह के परिणाम का पता लगाने के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी का उपयोग किया।

3.11 : प्रतिशत विश्लेषण :

जागरूकता के स्तर का पता लगाने के लिए प्रतिशत विश्लेषण का उपयोग किया है।

3.12 : निष्कर्ष :

अन्वेषक ने इस अध्याय में उल्लिखित कार्यप्रणाली का पालन किया, आवश्यक डाटा को एक ही टूल द्वारा एकत्र किया। एकत्रित आँकड़ों का विश्लेषण अगले अध्याय में किया जाना है।